

रसोई तथा पूरी, कचौड़ी, सब्जी तथा अन्य मिष्ठान्न आदि को पक्की रसोई कहते हैं), मुहा. रसोई चढ़ना- रसोई बनना शुरू होना।

रसोईघर पुं. (तद्.) खाना पकाने का स्थान या घर, पाकशाला, चौका।

रसोईदार पुं. (तद्.) भोजन बनाने वाला, रसोइया।

रसोग्रहण पुं. (तत्.) मनो. किसी रासायनिक उत्तेजन का (उत्प्रेरक) शारीरिक प्रभाव (प्रतिक्रिया)।

रसोड़ा पुं. (तद्.) ऐसा खाद्य पदार्थ जो पका लिया गया हो, पक्व भोजन, रसोई।

रसोत स्त्री. (तद्.) दारुहल्दी और लकड़ी को औटाकर बनाई जाने वाली ओषधि, जिसे 'रसोद्भव' भी कहते हैं।

रसोद्भूत वि. (तत्.) 1. रस से उत्पन्न या प्राप्त पारद (रस) से उत्पन्न (वस्तु) 2. ईगुर।

रसोपभोग पुं. (तत्.) काव्य. 1. रस का उपभोग या सुख 2. कला और साहित्य के सौंदर्य का रसास्वादन।

रसौर पुं. (तद्.) दे. रसावल।

रसौली स्त्री. (देश.) शरीर के किसी अंग में निकली गिल्टी।

रस्ता वि. (फा.) 1. मुक्त, स्वतंत्र 2. पंक्ति 3. मार्ग, पथ।

रस्तोगी पुं. (तद्.) एक प्रकार की व्यवसायी जाति या उसकी उपाधि, (प्रायः स्वर्णकारों के लिए रस्तोगी उपाधि का प्रयोग होता है)।

रस्म स्त्री. (अर.) 1. नियम, रीति, परंपरा या रूढ़ि 2. पारिश्रमिक, वेतन 3. पारंपरिक या कुलक्रमागत संस्कार।

रस्सा पुं. (तद्.) रज्जु, लंबी मोटी रस्सी, सनपटुआ या मूँज से बँटी मोटी लम्बी रस्सी। (इस प्रकार का मोटा रस्सा प्रायः हाथी जैसे- बलवान जीव को बाँधने तथा अन्य वस्तुओं को बाँधने के काम में आता है।

रस्सी स्त्री. (तद्.) 1. मूँज से बँटी पतली रस्सी 2. गुण 3. रज्जु, डोरी मुहा. रस्सी जलकर भी ऐंठन बनी रहना- स्थिति बदल जाने पर भी स्वभाव का अकड़ न जाना; रस्सी ढीली छोड़ना- नियंत्रण कम कर देना; रस्सी हाथ में रखना- नियंत्रण बनाए रखना; रस्सी का साँप बनना- झूठ बात का भयंकर रूप धारण कर लेना।

रहँकला पुं. (तद्.) 1. हल्की गाड़ी, तोप लादने की गाड़ी 2. रहँकला पर लदी तोप।

रहँचटा पुं. (तद्.) 1. प्रेम की चाह, चसका, लालसा।

रहँट पुं. (तद्.) एक प्रकार का उपकरण, जिससे कुएँ से पानी निकाला जाता है।

रहँटा पुं. (तद्.) सूत कातने का चर्खा।

रहकला पुं. (तद्.) दे. रहँकला।

रहगुजर स्त्री. (फा.) सामान्य जन के उपयोग वाला मार्ग, आम रास्ता, राजपथ, सड़क (राजकीय पक्ष से प्रदत्त आवागमन की सुविधा के लिए निर्मित राजपथ)।

रहचट्ट पुं. (तद्.) चिड़ियों की ध्वनि, चहचहाहट।

रहट पुं. (तद्.) दे. रहँट।

रहठा पुं. (तद्.) अरहर के पौधों की सूखी डंठल।

रहठान पुं. (तद्.) रहने के लिए स्थान, निवास की जगह।

रहन पुं. (तद्.) रहने का भाव, आचार-व्यवहार।

रहन-सहन स्त्री. (तद्.) जीवन-यापन का तरीका, जीवन बिताने का ढंग।

रहना अ.क्रि. (तद्.) स्थित रहना, रुकना, ठहरना।

रहपट पुं. (देश.) थप्पड़ मारना, हाथ से ताड़ना, झापड़।

रहम पुं. (अर.) कृपा, दया, सहानुभूति, मेहरबानी।

रहरू स्त्री. (देश.) ग्रामीण क्षेत्र में प्रयोग में आने वाली लकड़ी की गाड़ी ('लहरू' के नाम से भी जानी जाती है)।